आधुनिक भारत में गंगा नदी की मलीनता और उसका बचाव

(Filthiness and rescue of Ganga River in modern India)

ANJALI KHARI
Student, Department of Geography, Girls College, Gurugram

1. सारांश (Abstract)

प्रस्तुत लेख गंगा नदी पर पिछले कई वर्षों से शोधकर्ताओं द्वारा किए गए कार्य को दर्शाता है। गंगा नदी के प्रदूषण की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए बहुत सा कार्य सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा किया गया है।उत्तर प्रदेश पर्यावरण रिपोर्ट ;2003ए मल्लिकार्जुनद्ध; विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित अध्ययनद्ध के अनुसार उत्तर प्रदेश की कुल बीमारियों में 9.12: योगदान गंगा नदी के उच्च प्रदूषण स्तर का है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि गंगा प्रदूषण के कारण कुल स्वास्थ्य हानि लगभग 6ण्4 मिलियन दैनिक है।

जागरूकता केवल सामान्य लोगों तक सीमित नहीं है अपितु यह समाज के उच्च अधिकारियों और उच्च वर्गीय लोगों के लिए भी आवश्यक है। पानी सभी के लिए आवश्यक है फिर भी केवल कुछ ही लोग इस पर गंभीरता से कार्य कर रहे हैंए जो इसके महत्व को समझते हैं।

कीवर्ड: आधुनिक भारत, गंगा नदी, मलीनता, **बचाव**ए पर्यावरण संरक्षण

2. परिचय (Introduction)

गंगा भारत और बांग्लादेश की पवित्र तथा सबसे महत्वपूर्ण नदी है। हिंदू धर्म में इसे ‘गंगा देवी’ के रूप में व्यक्त किया जाता है। इसकी लंबाई 2525 किलोमीटर है। यह उत्तराखंड में हिमालय पर्वत से निकलकर सहायक नदियों के साथ भारत और बांग्लादेश के 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के अति विशाल उपजाऊ मैदान की रचना करती हुई बंगाल की खाड़ी के सुंदरवन तक विशाल भूभाग का सिंचन करती है। यह भारत की सबसे लंबी तथा जल बहाव में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। साल 2008 में भारत सरकार द्वारा गंगा नदी को ‘राष्ट्रीय नदी’ का दर्जा दिया गया।

गंगा बेसिन विश्व के अत्यधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में से एक हैए जिसमें लगभग 400 मिलियन लोग निवास करते हैं। इस क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व 390 लोग प्रति वर्ग किलोमीटर है। गंगा 11 राज्यों में भारत की 40: आबादी को पीने के लिए पानी और कृषि के लिए सिंचाई उपलब्ध कराती है।

‘मेरे लिए गंगा भारत की यादगार अतीत का प्रतीक है जो वर्तमान में बह रहा है और भविष्य के महासागर में बहता रहेगा।’

ज्वाहरलाल नेहरू

3. अध्ययन के उद्देश्य (objective of the study)

- गंगा नदी में प्रदूषण भार की समस्या की जांच करना।
- गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने नदी को साफ रखने तथा जल की गुणवत्ता में सुधार करने के उपायों की खोज करना।
- नदी के जलीय वनस्पति तथा जीवो के स्वास्थ्य समस्याओं तथा उनकी गुणवत्ता का विश्लेषण करना।
- नदी के किनारों पर सभी प्रदूषित प्रभावों को कम करके पर्यावरणीय परिस्थितियों में सुधार करना।

वर्तमान की बात करें तो गंगा नदी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। यह प्रदूषित भी नहीं बल्कि इसके बहाव में भी कमी आ रही है। वर्तमान में गंगा 80% उद्योगों से 15: आबादी से तथा 5: पर्यटन धार्मिक कर्मकांड से प्रदूषित हो रही है। बढ़ती आबादीए पर्यटनए नगरीकरणए उद्योगों के विकास में प्रदूषण के स्तर को 8 गुना बढ़ा दिया है। पिछले 40 वर्षों में ऐसा अनुभव किया गया है कि गंगा के मैदानी भाग में प्रवेश करने के साथ ही प्रदूषण की शुरुआत हो जाती है। हरिद्वार में धार्मिकए पर्यटनए पूजा.पाठए मोक्ष और मुक्ति की धारणा नेए नरौरा में स्थित परमाणु संयंत्र ने तथा कानपुर के चमड़ा उद्योग में गंगा के पानी को अत्यधिक दूषित कर दिया है। जांच में यह पाया गया है कि गंगा में 20ण्9 मिलियन लीटर प्रदूषित कचरा प्रतिदिन फेंका जा रहा है।

‘कुंभ मेला’ गंगा नदी के प्रदूषण का बहुत बड़ा कारण है। दुनिया भर से लोग ‘ गंगा स्नान’ के लिए इस पर्व में शरीक होते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक कारणों से फल फूल इत्यादि गंगा में डाले जाते हैं। कृषि से निकलते गंगा में घूलते रासायनिक पदार्थ तथा लाखो टन ठोस अपशिष्ट पदार्थों ने प्रदूषण की समस्या को और जटिल बना दिया है।

गंगा की स्थिति को देखते हुए सरकार ने गंगा की सफाई का बीड़ा उठाया और गैप ;गंगा एक्शन परियोजनाद्ध की शुरुआत की। गैप की शुरुआत 1985 में हुई। इस योजना के तहत गंगा के किनारे बसे शहरों तथा कारखानों में गंदे जहरीले पानी को साफ करने के लिए विद्युत प्लांट लगाए गए। वर्तमान में यह योजना दूसरे चरण अर्थात गेम पर है।

4. आंकड़ों पर आधारित तथ्य (facts based on Statistics)

हाल ही में हुए अध्ययन के अनुसार गंगा नदी विश्व की प्रदूषित नदियों में छठे स्थान पर हैए जो कि प्रत्येक वर्ष 1ण्5 लाख टनण्प्लास्टिक अपशिष्ट का निर्वहन करती है।

उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ;यू ई पी सी बीद्ध ने नदियों के जल को कॉलीफॉर्म बैक्टीरियाए घुलित ऑक्सीजन और जैव रासायनिक ऑक्सीजन के आधार पर चार वर्गों में विभाजित किया हैरू

<u>जल में कोलीफॉर्म स्तर:</u>

पीने के लिए सुरक्षित रू 50 से कम
स्नान के लिए सुरक्षित रू 50 से 500
कृषि के लिए सुरक्षित रू 500 से 5000
अत्यधिक प्रदूषित रू 5000 से अधिक
अध्ययन के अनुरूप गंगा नदी के जल में कोलीफार्म का स्तर 5500 पाया गया है, जो कि पूर्णतया प्रदूषित है। पटना विश्वविद्यालय ने बनारस स्थित गंगा के जल में पारा होने की पुष्टि जताई है। साल 2012 में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान (Indian Council of Medical Research) अंतर्गत राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (cancer registry programme) चलाया गया जिसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश, बिहार तथा पश्चिम बंगाल के नदी क्षेत्र को "कैंसर प्रवण क्षेत्र" (cancer prone area) बताया है।
केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड 2012 की रिपोर्ट के अनुसारए सरकार अभी तक गंगा की सफाई हेतु विभिन्न योजनाओं पर 200 मिलियन रुपए खर्च कर चुकी हैंएइसके बावजूद गंगा की स्थिति अत्यंत सोचनीय है।

5. गंगा के पानी को साफ तथा संरक्षित करने की रणनीतियां(**strategies taken for clean and conserve of Ganga river)**

1ण गंगा कार्य योजना **अथवा गंगा एक्शन प्लान (Ganga Action Plan)**

गंगा कार्य योजना की शुरुआत भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी द्वारा 14 जनवरी 1986 में की गई। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदूषण के भार को कम करना तथा साथ ही घरेलू सीवेज तथा औद्योगिक रसायनिक अपशिष्ट पदार्थों का उपचार करना है। गैप चरण 1 में उत्तर प्रदेशए बिहारए पश्चिम बंगाल के वर्ग 1 के 25 कस्बों को लिया गया।
गैप चरण 1 में 4ण62 बिलियन रुपए लगाए गए परंतु यह पूरी तरह सफल ना हो सका इसीलिए गैप चरण ऋ लगभग 1993 में लाया गया जिसमें 5 राज्यों उत्तर प्रदेशए उत्तराखंडए बिहारए झारखंडए पश्चिम बंगाल के 59 कस्बों को शामिल किया गया साथ ही गंगा की सहायक नदियों यमुनाए गोमतीए दामोदर और महानंदा की संरक्षण योजनाएं भी बनाई गई।

2ण राष्ट्रीय नदी गंगा बेसिन प्राधिकरण **(National Ganga River Basin Authority)**

इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा 20 फरवरी 2009 को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3;3द्ध के तहत की गईए जिसने गंगा को ष्राष्ट्रीय नदीष् घोषित किया। इसके पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री तथा गंगा प्रवाहित राज्यों के मुख्यमंत्री इसके सदस्य हैं। यह प्राधिकरण जल संसाधन मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। इसका मुख्य कार्य गंगा नदी के लिए नियोजनए कार्यान्वयनए जांच तथा वित्त व्यवस्था करना है।

3ण स्वच्छ गंगा मिशन **अथवा नमामि गंगे** परियोजना **(clean Ganga mission or Namami Gange programme)**

नमामि गंगे परियोजना की घोषणा 10 जुलाई 1914 को केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा की गई। 20ण37 बिलियन रुपए की आरंभिक राशि के साथ इसकी शुरुआत हुई। इस परियोजना के अंतर्गत भारत सरकार ने गंगा नदी के किनारे स्थित 48 उद्योगिक इकाइयों को बंद कराने के आदेश दिए।

4ण गंगा महासभा **(Ganga Mahasabha)**

गंगा महासभा की स्थापना सन 1990 महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी के द्वारा की गई। यह गंगा नदी को समर्पित एक भारतीय संगठन है। 5 नवंबर 1914 को ब्रिटिश सरकार समझौते के लिए राजी हुए जिसके तहत गंगा के निरंतर प्रवाह को कभी भी हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा तथा हिंदू समुदाय की सहमति के बिना गंगा नदी पर कोई भी निर्णय नहीं लिया जाएगा। अतः भारत के इतिहास में इस दिन को ष्गंगा समझौता दिवसष् के रुप में मनाया जाता है। 19 दिसंबर 1916 को ब्रिटिश सरकार के साथ यह समझौता अस्तित्व में आया।

5ण संकट मोचन फाउंडेशन **(Sankat Mochan Foundation)**

यह एक गैर सरकारीए गैर राजनीतिक तथा गैर-लाभकारी संगठन है। इसकी स्थापना सन 1982 में डॉक्टर वीरभद्र मिश्र द्वारा वाराणसी में गंगा नदी की रक्षा और उसके प्रदूषण को साफ करने के लिए हुई। यह 25 वर्षों से अधिक अवधि से स्वच्छ गंगा अभियान के तहत ऑस्ट्रेलिया स्थित पर्यावरण समूह ष्ओज ग्रीनष् के साथ काम कर रहा है।
वर्तमान में प्रमुख संकट मोचन फाउंडेशन कार्यक्रमों में नदी के जल की गुणवत्ता की निगरानी के लिए स्वच्छ गंगा अनुसंधान प्रयोगशाला को शामिल किया है। स्वच्छ गंगा पर्यावरण शिक्षा केंद्र पारंपरिक मान्यताओं और प्रथाओं को पारिस्थितिक शिक्षा के साथ जुड़ना चाहता हैए जैसे वाराणसी के स्कूलों में प्रदूषण के मुद्दे पर स्कूली कार्यक्रम तथा ग्रामीण क्षेत्रों को साफ पानी प्राप्त करने और अपने समुदायों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ग्रामीण कार्यक्रम इत्यादि।

6ण गंगा नदी के प्रदूषण की रोकथाम केंद्रीय प्रदूषण **कंट्रोल बोर्ड सीपीसीबी द्वारा (action undertaken by CPCB for conservation of pollution of Ganga river)**

सीपीसीबी ; केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड द्ध राष्ट्रीय जल गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम के तहत भारत में पानी की गुणवत्ता की निगरानी करता है। इसकी स्थापना सन 1974 में संवैधानिक संगठन के रूप में ष्पर्यावरणए वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालयष् के तहत हुई।

- लखनऊ और कानपुर में सीपीसीबी द्वारा नदी की तली को संरक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम खासतौर पर चमड़े के उद्योग से निकलने वाले गंदे ठोस पदार्थों से नदी की तली को संरक्षित करने के दृष्टिकोण से चलाया गया।
- सीपीसीबी ने यूपी पी सी बी तथा यू पी सी बी को कृषि आधारित लुगदी और कागज उद्योग क्षेत्र में प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किएए जिसके परिणाम स्वरुप उत्तर प्रदेश में 31 उद्योगों को जारी किया गया और उत्तराखंड में 25 डायजेस्टर को सील किया गया 8 उद्योगों को निर्देश दिए गए तथा चार रसायनिक लुगदी उद्योगों को रोक दिया गया।

7. निष्कर्ष **(Conclusion)**

यह अध्ययन गंगा नदी पर आधारित हैए जो उत्तर भारत में प्रवाहित होती है। यह भारतीय आबादी का गर्व है। कानपुरए वाराणसीए तथा इलाहाबाद में गंगा नदी के किनारे बड़ी मात्रा में उद्योगोंए चिकित्सालयोंए रासायनिक कारखानेए रोग प्रयोगशालाए तथा कपड़ा उद्योग की स्थिति प्रदूषण के स्तर को बढ़ा रही

है। यदि प्रदूषण नियंत्रित नहीं किया गया तो नदी के साथ.साथ परिस्थितिकी तंत्रए व्यापारए धार्मिक परंपराएं एवं मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए देश की समस्त मानव जाति को यह प्रण लेना होगा कि वह गंगा नदी ऺभारत की गंगा मांऻ को साफ रखने में पूर्ण योगदान देंगे।

शब्द संक्षेप (Abbreviation)

गैप (GAP): गंगा कार्य परियोजना अथवा गंगा एक्शन प्लान।
यू पी पी सी बी (UPPCB): उत्तर प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड।
यू पी सी बी (UPCB): उत्तराखंड प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड।
सीपीसीबी (CPCB): केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड।

8. संदर्भ (Reference)

1. A report of water resource planning Commission: Ganga action plan in state under GAP, may 2009.
2. गंगा :देश की जीवनधारा -कलराज मिश्र ।
3. महामना पंडित मदन मोहन मालवीय: गंगा महासभा गंगा ओआरसी: द मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, 2013.
4. Gautam Gupta, Pollution and conservation of Ganga River in modern India.
5. Ganga, Yamuna banks clean (The Times of India) 12 November 2013.
6. Rai Basant, pollution and conservation of Ganga River in modern India, International Journal of scientific and research, 3rd April 2013.
7. Singhania, Neha, pollution in Ganga river, October 2011.
8. गंगा को स्वच्छ रखने के प्रयास, बीबीसी न्यूज़, 30 जून 2009.
9. Wikipedia.org/wiki/ गंगा प्रदूषण नियंत्रण।